SSC GD 2025

अवसर बैच

हिंदी

सर्वनाम

Part -2

LIVE 30-07-2024 06:15 PM

सर्वनाम • 2

(2) **निश्चय वाचक** :→ जिन सर्वनाम शब्दों संज्ञा की निश्चितता पता चलता है वह सर्वनाम निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाता है।

विशेष :→ निश्चय वाचक सर्वनाम में अधिकतर निर्जीव वस्तु का बोध होता है।

उदा :→ (1) यह मेरी पुस्तक है | वे मेरी कलमें हैं। यह मेरी गाड़ी है।

⇒ यदि इस सर्वनाम में इसने / इन्होंने / उसने / उन्होंने का प्रयोग किया जाता है, तो वहाँ पर निर्जीव वस्तु का बोध है।

→ यह हमारी संस्कृति है, इसने हमें टूटने से बचाया है।

→ :→ यह मेरे भाई की पुस्तक है। (निश्चयवाचक है)

विशेष इसको संकेतवाचक सर्वनाम भी कहा जाता है।

* यह मेरा घर है। / वह मेरा पुराना दोस्त है। → (अन्य पु॰)

③ अनिश्चयवाचक सर्वनाम :→

जो सर्वनाम निश्चित संज्ञा का बोध नहीं कराते हैं वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

① कोई → (सजीव)
② कुछ → (निर्जीव)

① कोई बाहर से आवाज़ लगा रहा है।
② सर आपको कोई बुला रहा है।
③ चाय में कुछ गिर गया।
④ आज कुछ तो बात है।

④ प्रश्नवाचक सर्वनाम :→ जिन सर्वनाम शब्दों से अपनी संज्ञा के बारे प्रश्न किया जाता है।

(कौन, क्या, किसका)

① यह कौन-सी पुस्तक है?

② यह रचना किस लेखक ने लिखी है?

③ तुम्हारा क्या नाम है?

④ तुमने यह फ़ोन कहाँ से खरीदा है?

⑤ यह लेखक कौन है?

⑥ वह कौन है? जो तुमसे मिलने आया था।

⑤ संबंध वाचक सर्वनाम :→

जो सर्वनाम शब्द आपस में संबंध बताने का कार्य करते हैं वे शब्द संबंध वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे - (जो, सो / वह / वे जिसकी, उसकी, जैसा, वैसा जिन, उन / उन्हें आदि)

(1) जो लोग परिश्रमी नहीं होते हैं वे लोग कभी भी सफलता प्राप्त नहीं कर पाते हैं।

(2) जो जीतेगा वही सिकंदर

जो सोता है सो खोता है।

* जिसकी लाठी उसकी भैंस।
* जैसी करनी वैसी भरनी।

⑥ **निजवाचक सर्वनाम** :→ जो सर्वनाम शब्द कर्त्ता से निजत्व यानी पूरी तरह जुड़े होते हैं। वे शब्द निज वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

→ स्वयं, खुद, अपने-आप, आप, आदि

① हमें अपना काम खुद करना चाहिए।

② किसान अपने खेत की देखभाल अपने-आप करता है।

③ हमें अपने-आप पर निर्भर रहना चाहिए।

④ आपको अपना काम आप ही करना चाहिए था

⑤ मैं अपनी कहानी स्वयं लिखूँगा।

आप यहाँ बैठिए। (पुरुषवाचक मध्यम) आप मुझसे बड़े हो (पु॰ वाचक)

आप कितने मासूम हैं।